Fourteenth Loksabha

Session : 10
Date : 14-03-2007

Participants : Pradhan Shri Dharmendra

>

Title: Regarding adverse impact on environment due to two thermal power plants set up by NTPC in Orissa.

श्री धर्मेन्द्र प्रधान (देवगढ़) : महोदय, उड़ीसा के अंगुल जिले के तालचेर में एनटीपीसी के दो संयंत्र हैं। उनमें साढ़े तीन हजार मेगावाट बिजली उत्पादित होती है। वहां के लोगों की जमीन ली गई थी। उस पर वह प्लांट बने हैं। भारत सरकार और उड़ीसा सरकार के ज्वाइंट एक्नॉलेज्ड रीहेबिलिटेशन पॉलिसी के अंतर्गत पांच सौ एसएपी (SAP) को नौकरी मिलनी है। वे करीब दो महीने से प्लांट के गेट के सामने धरने पर बैठे हुए हैं। वहां की राज्य सरकार ने केन्द्र सरकार को भी अवगत करवाया है लेकिन एनटीपीसी कोई कार्यवाही नहीं कर रहा है। पुराने और नए प्लांट के कारण वहां ऐश बढ़ रही है। वहां के लोगों की सुनवाई हो क्योंकि वहां जो ऐश बढ़ रही है, उससे पर्यावरण का संतुलन बिगड़ रहा है। गर्मी के दिनों में वहां ऐश का तूफान आने वाला है। इसलिए दोनों विाय पर वहां के डिस्प्लेस्ड लोगों की गुहार भारत सरकार सुने और वहां का पर्यावरण संतुलित हो, ये दो विाय मैं आपके माध्यम से सरकार को अवगत कराता हूं।

MR. CHAIRMAN : Shri M. Shivanna; you have been given permission to speak as a special case.